International Journal of Research in IT and Management (IJRIM)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 02, February- 2023
ISSN(o): 2231-4334 | ISSN(p): 2349-6517 | Impact Factor: 8.106

दैनिक जागरण एवं बीबीसी हिन्दी न्यूज पोर्टलों में दी गयी सामग्री में तत्कालिकता एवं नवीनता का तुलनात्मक अध्ययन

डा.दिवाकर अवस्थी
सहायक आचार्य, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
ई–मेल : drdiwakarawasthi@gmail.com

संक्षिप्तांश

सूचना एवं संचार तकनीकी के युग में आम जनमानस की बदलती आवश्यकताओं ने लोगों की वेब माध्यमों पर निर्भरता बढ़ा दी है। आज कोई भी व्यक्ति विश्व के किसी कोने में घटित घटना से संबंधित प्रमाणिक एवं गुणवत्तापूर्ण सूचना एवं सामग्री तत्क्षण देखना व पढ़ना चाहता है इसके लिये वे प्रायः उस सूचना एवं सामग्री के उन स्त्रोंतों को अधिक वरीयता देते हैं जो संबंधित सूचना एवं सामग्री की उपलब्धता को तत्काल सुनिश्चित करते हैं एवं जिनके प्रस्तुतिकरण में अपेक्षाकृत नवीनता अधिक होती है। प्रस्तुत शोधपत्र में शोधकर्ता ने दो प्रमुख न्यूज पोर्टलों– दैनिक जागरण एवं बीबीसी हिन्दी में उपलब्ध सामग्री की नवीनता एवं तत्कालिकता का तुलानात्मक अध्ययन किया है। अतः उसने उत्तर प्रदेश के केन्द्रीय/राज्य विश्वविद्यालयों के पत्रकारिता विभाग में अध्ययनरत् 330 विद्यार्थियों एवं उनमें अध्यापनरत् शिक्षण कर्मियों को उद्देश्यपूर्ण प्रतिचयन पद्धति से चयनित कर स्वनिर्मित वेब न्यूज पोर्टल मतावली की मद्द से संबंधित आंकड़ों का संग्रहण किया है। आंकड़ों के विश्लेषणोपरान्त पाया कि दैनिक जागरण की अपेक्षा बीबीसी हिन्दी न्यूज पोर्टल में तत्कालिकता एवं नवीनता का स्तर अपेक्षाकृत ज्यादा बेहतर पाया गया। तथा यह भी पाया गया कि पाठक न्यूज पोर्टल पर अपने चारों ओर घटित घटना की सही जानकारी को त्वरित व नये स्वरूप में अपेक्षाकृत अधिक देखना पसन्द करते हैं।

प्रयुक्त तकनीकी शब्दः न्यूज पोर्टल, समाचारात्मक सामग्री, न्यूज पोर्टल में उपलब्ध सामग्री के तत्व, नवीनता एवं तत्कालिकता, पाठक इत्यादि।

सूचना एवं संचार तकनीकी के युग में परंपरागत माध्यमों की तुलना में वेब माध्यमों पर आम जनमानस की निर्भरता दिनों–दिन बढ़ती जा रही है। लोग किसी भी स्थान पर रहकर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रमाणिक समाचारों को देखने एवं पढ़ने के लिए स्तरीय न्यूज पोर्टलों का प्रयोग करते हैं। **ओपेनहेफेन (2011)** ने बताया कि स्थानीय, राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय घटनाओं से संबंधित न्यूज पोर्टल अपडेट सूचना व समाचार 24 घण्टे 7 दिन उपलब्ध कराते हैं। **जैदी (2017)** ने उद्घाटित किया, कि वेब पोर्टलों पर पाठकों की संख्या निरन्तर बढ़ती जा रही है। जैसा कि **निकोले जेन्चर (2020)** ने उद्घाटित किया कि 18–25 वर्ष आयुवर्ग के 58 प्रतिशत इण्टरनेट उपभोक्ता न्यूज पोर्टलों में उपलब्ध सामग्री को देखते व पढ़ते हैं। कुछ अन्य सर्वे रिपोर्टस भी यह बताते हैं, कि हिंदी भाषी क्षेत्र में दैनिक जागरण एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बीबीसी हिंदी न्यूज पोर्टल सर्वाधिक पढ़े जाते हैं। कुछ इसी प्रकार **डेविड विलियम (2020)** ने पाया कि 45 प्रतिशत पाठक प्रिन्ट माध्यमों, 43 प्रतिशत पाठक वेब माध्यमों एवं 12 प्रतिशत पाठक अन्य माध्यमों में उपलब्ध सामग्री पर विश्वास करते हैं। इसी प्रकार इन दोनों ही न्यूज पोर्टलों में उपलब्ध सामग्री के अन्य तत्वों में भी पर्याप्त अंतर देखने को मिलता है। अतः इन दोनों पोर्टलों में दी

International Journal of Research in IT and Management (IJRIM)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 02, February- 2023
ISSN(o): 2231-4334 | ISSN(p): 2349-6517 | Impact Factor: 8.106

जाने वाली सामग्री के विविध तत्वों का तुलनात्मक अध्ययन किया जाना नितांत आवश्यक है।

जैदी (2017) ने पाया कि वेब माध्यमों में वाक्य छोटे, सरल व आसानी से पढ़े जा सकने वाले होते हैं। छोटे–छोटे पैराग्राफ में समाचारों का संकलन होने के कारण उनमें पठनीयता अपेक्षाकृत अधिक होती है तथा वेब पोर्टल में पाठकों का विषयवस्तु पर नियंत्रण, समाचार सामग्री की हर समय व हर स्थान पर उपलब्धता, तत्कालिकता, सहभागिता, मल्टीमीडिया का प्रयोग एवं अन्तर्क्रियात्मकता आदि अधिक व्यापक रूप में पाया **(फोस्ट, 2011)**। दैनिक जागरण एवं बीबीसी हिंदी न्यूज पोर्टलों में दी गई सामग्री में तत्कालिकता एवं नवीनता के स्तर अत्यंत भिन्नता है। अतः शोधकर्ता के मन में प्रश्न उठा जिसका उत्तर खोजने का प्रयत्न प्रस्तुत शोध पत्र में किया गया है–

- दैनिक जागरण एवं बीबीसी हिन्दी न्यूज पोर्टलों की सामग्री में किसमें तत्कालिकता एवं नवीनता का स्तर बेहतर है?

उपरोक्त शोध प्रश्न के आलोक में, शोधकर्ता ने निम्नांकित शोध उद्देश्य का सृजन किया है–

- दैनिक जागरण एवं बीबीसी हिन्दी न्यूज पोर्टलों में दी गयी सामग्री की तत्कालिकता एवं नवीनता का तुलनात्मक अध्ययन करना।

प्रयुक्त तकनीकी शब्दों की परिभाषा :

- **न्यूज पोर्टल :** प्रस्तुत शोध के सन्दर्भ में वेब न्यूज पोर्टल से तात्पर्य इण्टरनेट आधारित एक ऐसे पहुंच बिन्दु से है जो विविध प्रकार के समाचारों से संबंधित वेबपेजों का जाल है, जो पाठकों को एक ही स्थान पर विविध प्रकार के समाचार, फोटो, वीडियो, ऑडियो, विचार, ब्लॉग आदि को उपलब्ध कराता है।
- **समाचारात्मक सामग्री –** प्रस्तुत शोध अध्ययन में समाचारात्मक सामग्री से तात्पर्य न्यूज पोर्टल में विविध प्रकार की सामाजिक घटनाओं एवं परिघटनाओं से जुड़े सीधे, सरल व स्पश्ट भाषा में दिये गये समाचार तथा उनसे संबंधित फोटो, वीडियो व ऑडियो से है।
- **तत्कालिकता एवं नवीनता–** प्रस्तुत शोध अध्ययन में तत्कालिकता एवं नवीनता से तात्पर्य न्यूज पोर्टलों में विविध प्रकार के सामाजिक घटनाओं एवं परिघटनाओं से जुडे समाचारों के सीधे, सरल व स्पश्ट भाषा में तत्क्षण अपडेशन तथा उनके प्रस्तुतिकरण में नवीनता से है।
- **पाठक :** प्रस्तुत शोध के सन्दर्भ में पाठकों से तात्पर्य उत्तर प्रदेश के समस्त केन्द्रीय/राज्य विश्वविद्यालयों के पत्रकारिता विभाग में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों जैसे कि बैचलर ऑफ जर्नलिज्म, मास्टर ऑफ जर्नलिज्म, एम.फिल. इन जर्नलिज्म एवं पीएच.डी. इन जर्नलिज्म इत्यादि में अध्ययनरत विद्यार्थियों व उनमें अध्यापनरत शैक्षणिक कर्मियों से है।

International Journal of Research in IT and Management (IJRIM)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 02, February- 2023
ISSN(o): 2231-4334 | ISSN(p): 2349-6517 | Impact Factor: 8.106

अध्ययन विधि : प्रस्तुत शोधपत्र में शोधकर्ता ने सर्वेक्षण शोध विधि का प्रयोग किया है।

समष्टि एवं प्रतिदर्श : प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधकर्ता ने उत्तर प्रदेश के समस्त केन्द्रीय/राज्य विश्वविद्यालयों के पत्रकारिता विभाग में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों जैसे कि बैचलर ऑफ जर्नलिज्म, मास्टर ऑफ जर्नलिज्म, एम.फिल. इन जर्नलिज्म एवं पीएच.डी. इन जर्नलिज्म इत्यादि में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं तथा उनमें अध्यापनरत् शैक्षणिक कर्मियों को समष्टि के रूप में परिभाषित किया है। तथा शोधकर्ता ने उपरोक्त समष्टि से प्रतिदर्श के रूप में 330 छात्र/छात्राओं का चयन उद्देश्यपूर्ण प्रतिदर्शन विधि से दो स्तरों पर किया है। शोधकर्ता ने प्रथम स्तर पर उत्तर प्रदेश के समस्त केन्द्रीय/राज्य विश्वविद्यालयों में से तीन केन्द्रीय/राज्य विश्वविद्यालयों का उद्देश्यपूर्ण प्रतिदर्शन विधि से चयन कर उसने दूसरे स्तर पर प्रतिदर्श के रूप में चयनित प्रत्येक विश्वविद्यालय से 110 छात्र/छात्राओं तथा उनमें अध्यापनरत् शैक्षणिक कर्मियों का चयन उद्देश्यपूर्ण प्रतिदर्शन विधि से किया है।

प्रयुक्त शोध उपकरण – प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधकर्ता ने संबंधित आंकड़ों के संग्रहण के लिए स्वनिर्मित 'वेब न्यूज पोर्टल मतावली' का प्रयोग किया है।

आंकड़ों का सांख्यकीय विश्लेषण एवं व्याख्या :

- **उद्देश्य सं.–1** : दैनिक जागरण एवं बीबीसी हिन्दी न्यूज पोर्टलों में दी गयी सामग्री की तत्कालिकता एवं नवीनता का तुलनात्मक अध्ययन करना।

तत्कालिकता एवं नवीनता के आधार पर दैनिक जागरण एवं BBC हिन्दी न्यूज पोर्टलों में दी गयी सामग्री की तुलना

न्यूज पोर्टल	दर (रेटिंग) / पाठक	बिल्कुल नहीं	निकृष्ट	बहुत कमजोर	औसत से कम	कुछ कमजोर	सामान्य	औसत से अच्छा	बहुत अच्छा	उत्कृष्ट	शानदार	योग
दैनिक जागरण	पाठकों की संख्या	0	0	13	0	45	48	63	74	58	29	330
	पाठकों का प्रतिशत	0	0	3.94	0	13.64	14.54	19.1	22.43	17.57	8.78	100
BBC हिन्दी	पाठकों की संख्या	0	0	7	4	20	29	46	67	107	50	330
	पाठकों का प्रतिशत	0	0	2.13	1.22	6.06	8.78	13.93	20.31	32.43	15.15	100

International Journal of Research in IT and Management (IJRIM)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 02, February- 2023
ISSN(o): 2231-4334 | ISSN(p): 2349-6517 | Impact Factor: 8.106

सारणी सं.1 दैनिक जागरण एवं **BBC** हिन्दी न्यूज पोर्टलों की सामग्री में तत्कालिकता एवं नवीनता के आधार पर पाठकों की प्रतिक्रियाओं को प्रदर्शित करता हुआ रेखाचित्र

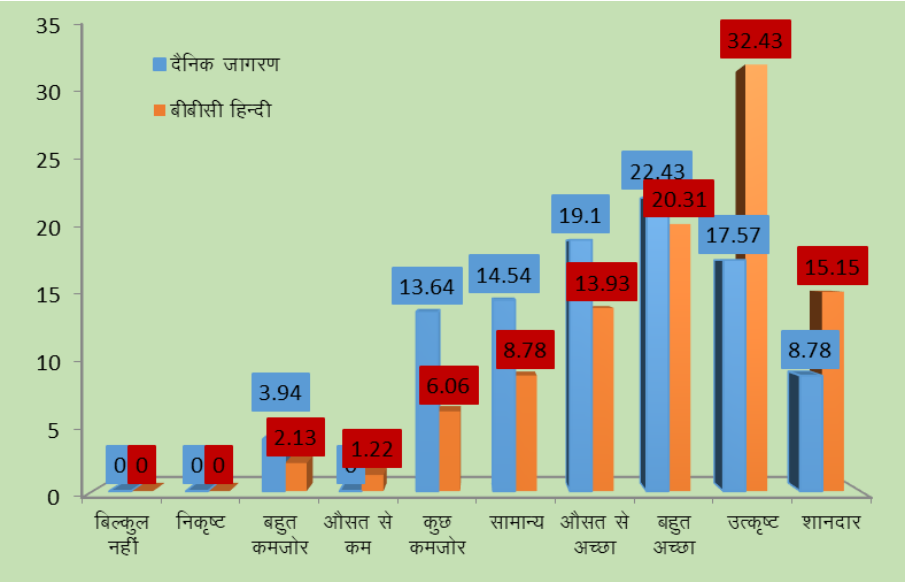

उपरोक्त सारणी एवं रेखाचित्र के अवलोकन से स्पष्ट है कि 330 पाठकों ने दैनिक जागरण व BBC हिन्दी न्यूज पोर्टलों में उपलब्ध सामग्री की तत्कालिकता एवं नवीनता के सन्दर्भ में अपनी प्रतिक्रियायें रेटिंग के द्वारा दी हैं, जिसमें से 0.0 प्रतिशत (0 पाठक) ने दैनिक जागरण व BBC हिन्दी दोनों को बिल्कुल नहीं व निकृश्ट; 3.94 प्रतिशत (13 पाठक) ने दैनिक जागरण को जबकि 2.13 प्रतिशत (7 पाठक) ने BBC हिन्दी को बहुत कमजोर; 0 प्रतिशत (0 पाठक) ने दैनिक जागरण को जबकि 1.22 प्रतिशत (4 पाठक) ने BBC हिन्दी को औसत से कम; 13.64 प्रतिशत (45 पाठक) ने दैनिक जागरण को जबकि 6.06 प्रतिशत (20 पाठक) ने BBC हिन्दी को कुछ कमजोर; 14.54 प्रतिशत (48 पाठक) ने दैनिक जागरण को जबकि 8.78 प्रतिशत (29 पाठक) ने BBC हिन्दी को सामान्य; 19.1 प्रतिशत (63 पाठक) ने दैनिक जागरण को जबकि 13.93 प्रतिशत (46 पाठक) ने BBC हिन्दी को औसत से अच्छा; 22.431 प्रतिशत (74 पाठक) ने दैनिक जागरण को जबकि 20.611 प्रतिशत (67 पाठक) ने BBC हिन्दी को बहुत कमजोर; 17.57 प्रतिशत (58 पाठक) ने दैनिक जागरण को जबकि 32.43 प्रतिशत (107 पाठक) ने BBC हिन्दी को उत्कृश्ट माना तथा 8.78 प्रतिशत (29 पाठक) ने दैनिक जागरण में जबकि 15.15 प्रतिशत (50 पाठक) ने BBC हिन्दी में तत्कालिकता एवं नवीनता को बिल्कुल नहीं पाया।

निश्कर्ष– उपरोक्त आंकड़ों के तुलनात्मक विश्लेषणोपरान्त पाया गया कि दैनिक जागरण की अपेक्षा बीबीसी हिन्दी न्यूज पोर्टल में तत्कालिकता एवं नवीनता का स्तर अपेक्षाकृत ज्यादा बेहतर है तथा अधिकांश पाठक न्यूज पोर्टलों पर अपने चारों ओर घटित घटनाओं की सही जानकारी को त्वरित एवं नवीन रूवरूप में अपेक्षाकृत अधिक देखना पसन्द करते हैं।

International Journal of Research in IT and Management (IJRIM)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 02, February- 2023
ISSN(o): 2231-4334 | ISSN(p): 2349-6517 | Impact Factor: 8.106

सन्दर्भ–

- Awasthi, Diwakar (2020). Hindi Web Portals Ke Home Page Ka Antarvastu Vishleshan. Unpublished Ph.D. thesis in Public Education and Mass Communication. MGCGVV, M.P., India.
- David William (2020). *Small business trends*. Retrieved, march 29, 2020, from https://smallbiztrends.com/2017/12/traditional-versus-digital-advertising.html
- Foust, J. (2011). *Online journalism: principles and practices of news for the web*. Scottsdale: Holcomb Hathaway. P. 99.
- Hsieh, Y.C., & Chen, K.H. (2011). How different information types affect viewer's attention on internet advertising. *Computers in Human Behavior, 27*(2): 935-945.
- Jaidi, S. (2017). *Editor Online : BBC UK.* Retrieved, June 23, 2019 from WWW.BBChindi.ORG
- Kim, Minchul (2013). *The effects of online advertisements and news images on news reception*. M.A. thesis in media studies : The University of Wisconsin-Milwaukee, P.9.
- Nicole Genchur (2020). *Six consumers trends to watch in 2020*. Retrieved, march 29, 2020, from https://www.groundtruth.com/insight/consumer-trends-to-watch/
- Opgenhaffen, M. (2011). Multimedia, interactive and hyper textual features in divergent online news platforms: an exploratory study of flemish online news. *First Monday, 16*(3). DOI: 10.5210/fm.v16i3.2826
- Pandey, Dheeraj K. (2017). Development of a Module on Peace Education for Living in Harmony. Unpublished Ph.D. Thesis in Education. BHU, Varanasi, U.P., India.
- Reich, Z. (2011). User comments: the transformation of participatory space. In Singer, J. B. et al. (Eds.), *Participatory journalism: Guarding open gates at online newspapers*. London: Wiley-Blackwell. P. 96-117.